MONTHLY PROGRESS REPORT

June 2019

KUMAUN UNIVERSITY NAINITAL

(Accredited Grade "A" by NAAC)

MONTHLY PROGRESS REPORT

June 2019

Composed By .....

Prof. Atul Joshi
Director, IPSDR
Kumaun University, Nainital

Index

S. No.	Title	Page No.
1.	Award/ Recognition/ Honour	01 - 01
2.	Main Activity	01 - 02
3.	Publications	03 - 03
4.	Conference/ Seminars/ Workshop Conducted	04 - 04
5.	Conference/ Seminars/ Workshop Attended	04 - 05
6.	Delivered Key Note Address/ Invited Lecture	06 - 06
7.	Conducted Ph.D. Viva-Voce	07 - 07
8.	Day Celebration	07 - 07
9.	Work for the Society	08 - 09

1. Award/Recognition/Honour

1.1 All India conference of Intellectuals gave the Uttarakhand Ratan award to Dr. Ashish Tewari on 30th June, 2019.

1.2 Prof. Rajnish Pande , Department of Economics DSB Campus, Nainital Appointed as Non-official Independent Director on the Board of SJVN Limited by President of India.

1.3 Harshita Joshi and Kalpana Rautela, Department of Botany Kumaun University, Nainital have qualified the GATE Examination- 2019.

2. Main Activity

2.1 कुमाऊं विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर सुधरी रैंकिंग, इंडिया टुडे के सर्वे में मिला 25वां रैंक

इंडिया टुडे के एमडीआरए के सर्वेक्षण–2019 में कुमाऊं विवि को राष्ट्रीय स्तर पर 25वीं रैंक मिली है। देशभर में करीब 750 विश्वविद्यालयों में से कुमाऊं विवि की रैकिंग 25 आने पर विवि प्रशासन गदगद है। पिछली बार इंडिया टुडे के ही सर्वे में कुमाऊं विवि की रैंकिंग 32 थी। कुलपति प्रो. केएस राणा ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए देश की टॉपटेन विवि में कुमाऊं विवि को शामिल करना लक्ष्य बताया। इसके लिए हर स्तर पर सुधार की कवायद शुरू करने के साथ ही कड़े कदम भी उठाए जाएंगे।

हर साल इंडिया टुडे ग्रुप द्वारा देश के विश्वविद्यालयों की रैकिंग के लिए सर्वे किया जाता है। इसमें विवि की अकादमिक और शोध एक्सीलेंस, पर्सनलिटी एंड लीडरशिप, कॅरियर प्रोग्रेशन, उपलब्धियां, मूलभूत सुविधाएं, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला की स्थिति, उपकरण, फैकल्टी, प्रशाासनिक ढांचा समेत अन्य मानकों के बारे में जानकारी जुटाई गई। देश के सरकारी विवि की सूची में पहला नंबर जेएनयू का है, जबकि कुमाऊं विवि को 25वीं रैंक मिली है। कुलपति प्रो. राणा के अनुसार विवि को देश के टॉपटेन विवि में खड़ा करना उनका मकसद है, इसके लिए अधिकारी–प्राध्यापक–कर्मचारियों से कड़ी मेहनत का आह्वान भी किया। कुलपति के अनुसार प्लेसमेंट सेल को अब नए सिरे से सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

2.2 International Workshop on 'Climate Change Adaptation through Improved Coordination between Government Line Departments and Community Institutions in Middle Himalaya'

Department of Geography, D.S.B Campus Nainital, organized International Workshop on 'Climate Change Adaptation through Improved Coordination between Government Line Departments and Community Institutions in Middle Himalaya' on 27-28 June 2019.

The main objectives of the workshop was to provide scientific platform for the synthesis of cutting edge most recent knowledge in climate change impacts assessment and adaptation and help policy planning agencies to evolve effective climate change adaptation plans for the Himalayan States of India.

अमर उजाला | हल्द्वानी-नैनीताल | amarujala.com | नैनीताल | शुक्रवार, 28 जून 2019 | 6

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और इन्हें कम करने पर मंथन

कुमाऊं विवि के भूगोल विभाग, राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर की दो दिनी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग और राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर के संयुक्त तत्वावधान में बृहस्पतिवार से जलवायु परिवर्तन पर दो दिनी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला शुरू हुई। नगर के एक होटल में आयोजित कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से पहुंचे विशेषज्ञों ने मध्य हिमालयी क्षेत्र में हो रहे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों एवं इन्हें कम करने पर मंथन किया।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि जीबी पंत हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान अल्मोड़ा के डायरेक्टर डॉ.आरएस रावल और विवि कुलपति प्रो.केएस राना ने दीप जलाकर किया। कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान के लिए हिमालयी क्षेत्र में शोध कार्यों को बढ़ावा देने की जरूरत है, इसमें स्थानीय लोगों को भी शामिल किया जाए। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष पीसी तिवारी ने कार्यशाला की रूपरेखा बताई। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के पहले दिन विशेषज्ञों द्वारा जलवायु परिवर्तन के संबंध में हुए अब तक के शोधकार्य पर मंथन किया गया, जबकि दूसरे दिन ग्रामीण जनता और सरकारी विभागों के अधिकारियों के बीच परिचर्चा की जाएगी। इसके लिए शुक्रवार को रामगढ़ विकासखंड के 30 ग्राम प्रधानों, वन पंचायत के सरपंचों और सरकारी विभाग के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। इस दौरान कई लोगों ने अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यशाला में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाईड्रोलॉजी रुड़की के डॉ.एसएम पिंगल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग न्यू कैसल यूनिवर्सिटी यूके से डॉ.नाथन फारसिंथ, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग से डॉ.भाष्कर निकम, डॉ.बीआर कौशल, प्रो.जया तिवारी, प्रो.बीएल साह, प्रो.ललित तिवारी, डॉ.नागेंद्र शर्मा, प्रो.एलएस लोधियाल, डॉ.एसएस बर्गली, डॉ.नीलू लोधियाल, डॉ.सुषमा टम्टा, डॉ.भगवती जोशी, डॉ.नीता पांडे, प्रो.जीएल साह, डॉ.पंकज तिवारी, डॉ.बदरीश महरा, विधान चौधरी आदि थे।

जलवायु परिवर्तन की कार्यशाला को संबोधित करते विषय विशेषज्ञ।

आबादी के दबाव और शहरीकरण के कारण विश्व भर में झरनों का पानी घट रहा है, इसका प्रभाव झीलों, नदियों और भूजल पर भी पड़ रहा है। उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि यहां खेती और पेयजल के लिए अधिकतर लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से झरनों पर निर्भर हैं। यदि जल स्रोतों को बचाने के प्रयास नहीं किए गए तो स्थिति बहुत बिगड़ जाएगी। **-डॉ. संतोष मुरलीधर पिंगले, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ**

शोधों से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन और तापमान बढ़ने से जैव संरक्षित क्षेत्रों में संरक्षित की जा रही वनस्पतियां भी अपना स्थान परिवर्तित कर ऊंचाई की ओर उन्मुख होने लगी है, जो कि पारिस्थितिकी के लिए शुभ संकेत नहीं है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी परिवर्तन आ रहे हैं, इसके लिए लोगों को जागरूक कर इसे नियंत्रित किया जा सकता है। **-डॉ.आरएस रावल, डॉयरेक्टर जीबी पंत हिमालयी पर्यावरण एवं विकास संस्थान अल्मोड़ा।**

तापमान में हो रही वृद्धि से ग्लेशियरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है पिछले 50 वर्षों के शोध के अनुसार गंगोत्री ग्लेशियर अपने स्थान से 900 मीटर पीछे खिसक गया है, इसका सीधा असर मध्य हिमालयी क्षेत्र की पानी की आपूर्ति पर भी पड़ रहा है। अगर इसी गति से ग्लेशियर पिघलते रहे तो सदानीरा रहने वाली नदियों में भविष्य में सूखे की स्थिति आ सकती है। **-डॉ.भाष्कर निकम, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग देहरादून**

उनका विभाग आठ वर्षों से यूके के एक विवि के साथ मिलकर एक प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहा है, इसमें रामगढ़ विकासखंड में पानी पर शोध कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में जल स्तर लगातार गिर रहा है। शोध से संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र में वार्षिक वर्षा का औसत 11 प्रतिशत तक कम हो गया है। पूर्व में साल भर में करीब 66 दिन वर्षा होती थी, जो कि घटकर 55 दिन रह गई है। इसका सबसे प्रतिकूल प्रभाव क्षेत्र के किसानों पर पड़ा है। **-प्रो.पीसी तिवारी, विभागाध्यक्ष डीएसबी परिसर नैनीताल**

3. Publications

3.1 Joshi Shekhar Chandra Value of Geometric forms in Modern Art and Design", International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research UGC approved JETIR Impact Factor 5.87 (www.jetir.org), ISSN:2349-5162, Vol.6, Issue 6, page no.454-460, June-2019,

3.2 Chand R Ambient Air Quality and its Sources Surrounding to Hydropower projects in Satlaj Basin, Journal of Metrology Society of India.

3.3 Prof. S.P.S. Bisht, Department of Zoology, D. S. B. Campus, Nainital, two paper published, and one communicated.

3.4 Dr. Himanshu P. Lohani, Department of Zoology, D. S. B. Campus, Nainital, one paper published.

3.5 Dr. Manoj Kumar Arya, Department of Zoology, D. S. B. Campus, Nainital, one book published.

3.6 Prof. Atul Joshi, Department of Commerce , D. S. B. Campus, Nainital, one paper published.

3.7 Dr. Neeta J Lohani, Department of Commerce, D. S. B. Campus, Nainital, one paper published.

3.8 Mishra N, Panda T, Lodhiyal N and Bahera SK (2019). Studies on the gametophytic development, mating behaviour and reproductive biology of Macrothelypteris torresiana (Gaudich.) Ching (Thelypteridaceae). Micron, doi.org/10.1016/j.micron.2019.102700 Impact Factor: 1.75

3.9 Singh Lokendra and Sati S. C (2019). Antagonistic Activity of Isolated Root Endophytic Freshwater Fungus Anguillospora Longissima against Pathogenic Fungi. Natl. Acad. Sci. Lett. https://doi.org/10.1007/s40009-019-00818-w. Impact factor- 0.51.

3.10 Sharma S, Kholia BS, Kumar A, Srivastava A and Bargali SS (2019). Commercialization – A suggested approach for conserving a threatened fern, Pteris tricolor Linden. Current Science 116(11): 1790-1792. Impact Factor: 0.8.

3.11 Arvind Pandey, J.S.Rawat, Monitoring and land use/cover change using remote sensing and GIS techniques:a case studt of hill station Pithoragarh Town, Uttarakhand India, International Journal of Emerging Science and Engineering (IJESE), 2319-6378, Vol.6, Issue 4, June 2019, pp2-9.

4. Conference/ Seminar/ Workshop Conducted

4.1 Prof. P.C Tiwari, Department of Geography, D.S.B Campus Nainital, organized International Workshop on 'Climate Change Adaptation through improved coordination between Government Line Departments and community Institutions in Middle Himalaya' on 27-28 June 2019.

4.2 Dr. P.C. Chanyal,Department of Geography,D.S.B Campus Nainital Organized as one day workshop on 'The Applications of Remote Sensing & GIS in Earth Science & Water Resources Management' (coordinator) Speaker Dr. Meenakshi Kumar, IIRS-ISRO Dehradun on 14 June 2019.

4.3 Prof. G. S. Nagi, Department of History, D.S.B Campus Nainital, organized one day national seminar on 'उत्तराखण्ड में गाधी आगमन के 90 वर्ष' on 14th June 2019.

5. Seminars/ Workshop Attended

5.1 Dr. Ashish Tewari Department of Forestry & Environmental Science Kumaun University, Nainital, attended one day workshop entitled "Uttarakhand Mai Gandhi Agman Ke 90 Saal" on 14th June, 2019, organized by Department of History, D.S.B. Campus, Kumaun University, Nainital.

5.2 Prof. Anita Pande, Department of Geography, D.S.B Campus Nainital participated in International Workshop on 'Climate Change Adaptation through improved Coordination between Government Line Department and Community Institution in Middle Himalaya' organized by- Department of Geography, Kumaun University, Nainital: on 27-28 June 2019.

5.3 Dr. Mohan Lal, Department of Geography, D.S.B Campus Nainital participated in International Workshop on 'Climate Change Adaptation through improved Coordination between Government Line Department and Community Institution in Middle Himalaya' organized by-

Department of Geography, Kumaun University, Nainital: on 27-28 June 2019.

5.4 Dr. P.C. Chanyal, Department of Geography, D.S.B Campus Nainital participated in International Workshop on 'Climate Change Adaptation through improved Coordination between Government Line Department and Community Institution in Middle Himalaya' organized by- Department of Geography, Kumaun University, Nainital: on 27-28 June 2019.

5.5 Prof. S. C. Sati, Department of Botany, Kumaun University, Nainital, Participated in the Research Advisory Committee meeting at Herbal Research Developmental Institute, Gopeshwar on 1st June 2019.

5.6 Dr. Susma Joshi, Department of Sanskrit, D. S. B. Campus, Nainital, participated a conference.

5.7 Dr. Lajja Bhat, Department of Sanskrit, D. S. B. Campus, Nainital, participated a conference.

5.8 Prof. Jaya Twari, Department of Sanskrit, D. S. B. Campus, Nainital, participated ne conference and one workshop.

5.9 Dr. Hemwanti Panaru, Department of Sanskrit, D. S. B. Campus, Nainital, participated a conference.

5.10 Dr. Pardeep Kumar, Department of Sanskrit, D. S. B. Campus, Nainital, participated a conference.

5.11 Prof. J. S. Rawat, Department of Geography, Kumaun University SSJ Campus Almora chaired a workshop on GIS Assets: Development, Management and Application in District Planning for g-Governance organized by the District Administration Rudrapur at Collectorate Rudrapur on 28th June, 2019.

5.12 Prof. J. S. Rawat, National Geospatial Chair Professor, Department of Geography participated in the Expert Committee Meeting of the National Geospatial Chair Professors, organised by the DST New Delhi at the J.N.U. New Delhi on 24th June 2019.

6. Invited Lecture Delivered

6.1 Prof. Jeet Ram, Department of Forestry & Environmental Science Kumaun University, has evaluated Wildlife sanctuary and National Park for effective management conducted by Himachal Pradesh forest department held on 9-14 June, 2019 and also evaluated Wildlife sanctuary and National Park of Jammu Kashmir conducted by Jammu and Kashmir forest department held on 23-28 June, 2019.

6.2 Prof.J.S.Rawat, National Geospatial Chair Professor, Department of Geography made a presentation on Training Workshop of the Nodal Officers of the Kosi River Rejuvenation Mission of Government of Uttarakhand organized by the District Administration Almora at the Vikash Bhawan Almora on 19th June, 2019.

6.3 Prof. J. S. Rawat, National Geospatial Chair Professor, Department of Geography participated in a meeting on the Kosi River Rejuvenation, organized by the District Administration Almora at the Camp Office of District Magistrate Almora on 30th June,2019 .

6.4 Prof. J. S. Rawat, National Geospatial Chair Professor, Department of Geography made a presentation on Workshop on GIS Assets: Development, Management and Application in District Planning for g-Governance organized by the District Administration Bageshwar at Collectorate Bageshwar on 28th June, 2019 (10.30 am to 2.00pm).

6.5 Prof. J. S. Rawat, National Geospatial Chair Professor, Department of Geography made a presentation on Training Workshop on Rejuvenating Garur Ganga River, District Bageshwar, organized by the District Administration Bageshwar at Collectorate Bageshwar on 28th June,2019 (2.00 pm to 4.30pm).

7. Conducted Ph.D. Viva-Voce

7.1 Department of Biotechnology, Kumaun University, final Pre-Ph.D. viva voce of Mr. Kona Madhavinadha Prasad was held on June.

7.2 Miss Vishva Jyotsana Singh, Department of Botany, Kumaun University, Nainital submitted her thesis entitled "Studied on Morphology, Diversity and Colonization Ability of Pteris vittata L. under the supervision of L.M. Tewari and P.B. Khare.

7.3 Department of Economics, DSB Campus, Nainital, Pre-Ph.D. viva-voce for submission of thesis of research scholar Krishna Singh Rawat on dated 12-06-2019.

7.4 Department of Economics, DSB Campus, Nainital Ph.D. viva-voce examination of scholar Darshana Kaur on 23-05-2019.

7.5 Department of Economics, DSB Campus, Nainital Pre-Ph.D. viva-voce examination research scholar Suman Joshi on Dated 12-05-2019.

8.0 Day Celebration

8.1 Department of Yoga , S.S.J Campus, Almora, celebrated International Yoga Day on 21st June 2019.

9. Work for the Society

9.1 Prof.J.S.Rawat, National Geospatial Chair Professor and Professor & Head of the Department of Geography imparted Field Training on Rejuvenating the Dying Kosi River to the Nodal Officers of the Kosi River Rejuvenation Programme of the Government of Uttaraknd on 19th June 2019.

अमर उजाला | अल्मोड़ा-बागेश्वर | amarujala.com

कोसी पुनर्जनन अभियान में दूसरे चरण के कार्यों की तैयारी

कार्यशाला में प्रो. जेएस रावत ने नोडल अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

अमर उजाला ब्यूरो

अल्मोड़ा। कोसी नदी पुनर्जनन अभियान के द्वितीय चरण का काम शुरू करने के लिए विकास भवन में आयोजित नोडल अधिकारियों की कार्यशाला में एनआरडीएमएस के निदेशक प्रो. जेएस रावत ने पावर प्वाइंट के माध्यम से कोसी नदी के जल संग्रहण क्षेत्र में चलने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी और उन्हें सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने नोडल अधिकारियों से कहा कि द्वितीय चरण का यह महत्वपूर्ण कार्य सभी की सहभागिता से पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि द्वितीय चरण में जो चाल-खाल, खंतियां, गड्ढे आदि बनाए जाने हैं, उसमें तकनीकी सहयोग की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसका अलग से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारियों को जानकारी देते एनआरडीएमएस के निदेशक प्रो. जेएस रावत। अमर उजाला

प्रो. रावत ने कहा कि रिचार्ज जोन के ऊपरी स्थानों पर चाल-खाल, खंतियां आदि का कार्य किया जाएगा तभी वर्षा जल अवशोषित होकर जमीन के भीतर जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए संबंधित विभागों का आपसी समन्वय जरूरी है।

कार्यशाला के दौरान उन्होंने नोडल अधिकारियों को द्वितीय चरण के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद स्यालीधार में समस्त नोडल अधिकारियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यशाला में मुख्य विकास अधिकारी मनुज गोयल ने कहा कि सभी नोडल अधिकारियों को दिए गए दायित्वों का पूरी तत्परता के साथ निर्वहन करना होगा। साथ ही इसमें स्थानीय लोगों का जन सहयोग भी जरूरी है। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी केके पंत, जिला पंचायत राज अधिकारी डीएस दुगताल, खंड विकास अधिकारी पंकज कांडपाल, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ., केएस नपलच्याल, सहायक अभियंता जल संस्थान मंजुल मेहता, वन क्षेत्राधिकारी संचिता वर्मा के अलावा कोसी पुर्नजनन अभियान के समस्त नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

9.2 Prof.J.S.Rawat, National Geospatial Chair Professor and Professor & Head of the Department of Geography imparted Training on Rejuvenating the Dying Garur Ganga to the Nodal Officers of the Garur Ganga Rejuvenation Programme of the Government of Uttaraknd at the Collectorate, Bageshwar on 29th June 2019. The Training Programme was Chaired by the District Magistrate Bageshwar Mrs. Ranjana Rajguru.

अल्मोड़ा/बागेश्वर जागरण | हल्द्वानी, 30 जून 2019 दैनिक जागरण 7

पुनर्जीवित होगी गरुड़ गंगा

हरेला पर्व से शुरू होगा अभियान, 5 करोड़ 53 लाख होंगे खर्च, नौ रिचार्ज जोन बने

जागरण संवाददाता, बागेश्वर : लुप्त होती सदानीरा गरुड़ गंगा को बचाने के लिए हरेला पर्व से महाभियान शुरू होगा। 5 करोड़ 53 लाख की लागत से गरुड़ गंगा को फिर से पुनर्जीवित किया जाएगा। तीन चरणों में यह अभियान पांच साल तक चलेगा।

गरुड़ गंगा पुनर्जनन कार्यक्रम के तहत कुल 3943.63 हे. भूमि पर तीन चरणों में कार्य किया जाएगा। अभियान के लिए नौ रिचार्ज जोन का चयन किया गया है। इनके लिए नौ नोडल व नौ सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। यह पांच साल तक पूरे अभियान को सफलतापूर्वक चलाएंगे। इसके अतिरिक्त सभी गरुड़ गंगा क्षेत्र के आस-पास रहने वाले लोगों को भी सक्रिय रूप से अभियान से जोड़ा जाएगा। ताकि लगातार लुप्त होगी गरुड़ गंगा को बचाया जा सके। तीन चरणों में इंफिल्ट्रेशन होल, ट्रेंच, चिरुल व पत्थर के चेक डैम, चाल खाल व चौड़ी पत्ती के पौधों का ब्रूहद तरीके से रोपण किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी एसएसएस पांगती ने कहा कि अभी सरकार की ओर से बजट नहीं मिला है उम्मीद है जल्द बजट मिल जाएगा।

कैचमेंट एरिया की दी सैद्धांतिक जानकारी

जागरण संवाददाता, बागेश्वर : एनआरडीएमएस के निदेशक प्रो. जेएस रावत ने गरुड़ गंगा नदी के कैचमेंट एरिया की सैद्धांतिक जानकारी नोडल अधिकारियों को दी। कहा कि द्वितीय चरण का कार्य महत्वपूर्ण है।

गरुड़ गंगा पुर्नजनन अभियान के तहत कलक्ट्रेट सभागार में डीएम रंजना राजगुरु की अध्यक्षता में नामित नोडल अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रो. जेएस रावत ने कैचमेंट एरिया के सभी नोडल अधिकारियों को पावर प्वाइंटर के माध्यम से कार्यों की जानकारी प्रदान की। कहा कि रिचार्ज जोन के ऊपरी स्थानों पर चाल-खाल, खंतिया आदि कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर सीडीओ एसएसएस पांगती, सहायक परियोजना निदेशक शिल्पी पंत, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. उदय शंकर, उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी गीतांजलि बंगारी आदि मौजूद थे।

बागेश्वर में गरुड़ गंगा पुनर्जनन के द्वितीय चरण की बैठक में डीएम व अन्य • जागरण

कैंपा योजना के तहत वनीकरण

नोडल अधिकारियों ने बताया कि चाल, खाल, जलकुंड रिचार्ज के लिए जोन के टाप और 30 डिग्री से ढाल वाले सूक्ष्म जलागम क्षेत्र प्रस्तावित है। सिविल एवं वन पंचायत भूमि में वनीकरण और संरक्षण कार्य मनरेगा के तहत किए जाएंगे। आरक्षित वन में वनीकरण वनों की सुरक्षा योजना और संरक्षण कार्य कैम्पा योजना के तहत किए जाएंगे।

उत्तरदायित्वों का निर्वहन करें

डीएम ने कहा कि गरुड़ गंगा पुर्नजनन अभियान के प्रथम चरण की सफलता के बाद द्वितीय चरण में सभी लोगों का जनसहयोग आवश्यक है। नोडल अधिकारी अभियान को प्राथमिकता के आधार लेंगे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेंगे। जलनिगम, जल संस्थान, सिंचाई, कृषि और उद्यान विभाग सहयोग करेंगे।

27 ग्राम पंचायतें अभियान से जुड़ेंगी

गरुड़ गंगा पुनर्जनन अभियान के तहत गरुड़ घाटी की 27 ग्राम पंचायतें जुड़ेंगी। सामूहिक सहभागिता से यह अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा एनसीसी, एनएसएस, युवक व महिला मंगल दल भी अभियान में भागीदारी करेंगे।

नौ रिचार्ज जोन बनाए

धारापानी, सोखता एड़ा, अमोली, दुमरोट, कमलेख, गिंगलकोट, कौसानी, दारना, जरिया बगड़

धान की खेती पर असर

गरुड़ गंगा के लगातार लुप्त होने का असर दिखाई देने लगा है। जहां कत्यूर घाटी में पेयजल संकट गहराने लगा है तो वहीं धान की खेती भी प्रभावित हो रही है। नदियों में पर्याप्त पानी नहीं होने से सिंचाई नहरें सूख गई हैं। जिससे कई काश्तकारों ने धान की रोपाई करना बंद कर दिया है।

गरुड़ गंगा को पुनर्जीवित करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए तैयारियां पूरी हो गई हैं। हरेला पर्व से कार्य की शुरुआत होगी। बिना सामूहिक सहभागिता के यह कार्य संभव नहीं होगा। इसलिए सभी अभियान को सफल बनाने के लिए एकजुट हों। –रंजना राजगुरु, जिलाधिकारी, बागेश्वर

9.3 Prof.J.S.Rawat, National Geospatial Chair Professor and Professor & Head of the Department of Geography participated as Key Speaker in Syahi Munch Programme on Kosi Bachawo at Sitalakhet on 30th June 2019.

जागरण www.jagran.com दैनिक जागरण हल्द्वानी, 1 जुलाई 2019 5

जल–जंगल बचाने को रोकनी होगी वनाग्नि

संगोष्ठी

- स्याहीदेवी का प्राकृतिक पुनरोत्पादन फॉर्मूला भी अपनाना होगा : प्रो. रावत
- कोसी के प्रमुख रिचार्जजोन का निरीक्षण, शीतलाखेत में संगोष्ठी

संवाद सहयोगी, रानीखेत : मॉनसून की दस्तक के साथ कोसी बचाने की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। इसी कड़ी में जीवनदायिनी के प्रमुख रिचार्ज जोन में शुमार जैव विविधता से लबरेज स्याहीदेवी वन क्षेत्र के संवर्द्धन व संरक्षण को सहायतित प्राकृतिक पुनरोत्पादन को बढ़ावा देने की वकालत होने लगी है। कोसी पुनर्जनन महाभियान के जनक नेशनल जियो स्पेशल चेयरप्रोफेसर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार) प्रो. जीवन सिंह रावत ने स्याहीदेवी के मॉडल को अन्य रिचार्ज जोन में अपनाने की जरूरत बताते हुए कहा कि जल, जंगल व नदी बचाने को सबसे पहले वनाग्नि नियंत्रण को नई ठोस नीति बनानी ही होगी।

शीतलाखेत स्थित भारत स्काउट गाइड्स उत्तर प्रदेश के कार्यालय सभागार में रविवार को कोसी बचाने को संगोष्ठी हुई। प्रो. जीवन सिंह रावत ने कहा, प्राकृतिक पुनरोत्पादन व संवर्द्धन की दिशा में स्याहीदेवी विकास मंच के सदस्यों की पहल अनुकरणीय है। साथ ही स्पष्ट किया कि यह तभी संभव है जब आग पर प्रभावी नियंत्रण को नई व ठोस नीति बनाई जाय। आसपास की महिलाओं ने गैस संयोजन न मिलने का दुखड़ा रोया।

स्याहीदेवी शीतलाखेत में जंगल के संरक्षण व संवर्धन गोष्ठी में बोलते नेशनल जियो स्पेशल चेयर प्रोफेसर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार) प्रो. जीवन सिंह • जागरण

आग लगाने पर हो दंड का प्रावधान : बीडीओ

बीडीओ हवालबाग पंकज कांडपाल ने कहा, सरकार हर पंचायत में उत्सव वन व स्मृति वन कार्यक्रम कराए। ताकि प्रत्येक त्योहार पर पौधरोपण किया जा सके। जंगलों में आग लगाने वालों को दंड तथा वनाग्नि की सूचना व लपटों से लड़ने वालों को पुरस्कार के प्रावधान पर जोर दिया। रेंजर संचिता वर्मा ने कहा, वन बचेगा तो जल व जीवन बचेगा।

पौधरोपण, चाल खाल, खंतट्रेंच का लिया जायजा

प्रो. रावत, बीडीओ पंकज, रेंजर संचिता, स्याहीदेवी समिति संयोजक दिग्विजय सिंह बौरा आदि ने बीते वर्ष क्षेत्र में पौधरोपण, चाल खाल, खंती, ट्रेंच आदि का जायजा लिया। संचालन गणेश पाठक व गजेंद्र पाठक ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में धामस, पड्यूला, सूरी, नौला, बसर, स्याहीदेवी, बड़गल भट्ट आदि के ग्रामीण पहुंचे।

इन बिंदुओं पर दिया जोर

- जंगलों पर निर्भरता कम करने को हरेक जरूरतमंद को मिले गैस
- सब्जियों के इस सीजन में बेलदार पौधों को सहारे के लिए विभाग जाल आदि मुहैया कराए ताकि पेड़ों का दोहन कम हो
- वनाग्नि से निबटने को ग्रामीणों को किट दिए जाएं
- जल व जंगल संवर्द्धन में जुटे ग्रामीणों को विशेष सहायता ताकि वह मनोयोग से वनों की सुरक्षा कर सकें
- खेती से जुड़े लोगों को लकड़ी का विकल्प लौह हल बांटे जाएं

एड़ी धारे में 28 इंच पानी

स्याही देवी समिति अध्यक्ष हरीश बिष्ट ने बताया कि एड़ी गधेरे में 28 इंच पानी है। इसके संरक्षण की जरूरत है।

ये रहे मौजूद

संयुक्त सहकारी संगठन अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बौरा, जिपं सदस्य बिशन बिष्ट, नंदिनी पंत, पीसी तिवारी, कैलाश गोस्वामी, पूरन नेगी, विजय कुमार, पंकज तिवारी, कृष्णा देवी, तुलसी देवी, बिहारी लाल, पार्वती कुंजवाल आदि।